शब्द–ब्रह्म
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
E ISSN 2320 – 0871
17 सितम्बर 2024
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर प्रभाव का अध्ययन

ऋषिकेश जाटव (शोधार्थी)
राजस्थान विश्वविद्यालय
डॉ.भावेश कुमार सिंहवाल (निर्देशक)
सहायक आचार्य (शिक्षा विभाग)
श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय
केशव विद्यापीठ जामडोली
जयपुर, राजस्थान, भारत

शोध संक्षेप

वर्तमान में साइबर संसाधन दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुके हैं। अर्थव्यवस्था, राजनीति, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में इसका उपयोग बढता जा रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों और शिक्षकों को इसके उपयोग की जानकारी होना आवश्यक है। यह तभी संभव है जब बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को साइबर संसाधनों की उपयोगिता के बारे में पता हो। प्रस्तुत शोध पत्र में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनके शिक्षण अभियोग्यता पर प्रभाव ज्ञात किया गया है।

मुख्य शब्द : *साइबर संसाधन, उपयोगिता, शिक्षण अभियोग्यता, बी.एड. प्रशिक्षणार्थी*

प्रस्तावना

अध्यापक शिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। अध्यापक के बिना शिक्षा की प्रक्रिया सफल रूप से नहीं चल सकती। अध्यापक केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करके ही अपने दायित्व से मुक्ति नहीं पा लेता है। शिक्षक की क्रिया और व्यवहार का प्रभाव उसके विद्यार्थियों, विद्यालय और समाज पर पड़ता है। इस दृष्टि से कहा जाता है कि अध्यापक राष्ट्र का निर्माता होता है। अतः अध्यापक को अपने कार्यों को सफलतापूर्वक एवं उचित प्रकार से करने के लिए आवश्यक है कि उसमें कुछ गुण अथवा विशेषताएं होनी चाहिए। सामान्यतः एक अच्छे अध्यापक में निम्नलिखित गुणों का होना आवश्यक है :

1 शैक्षिक गुण योग्यताएं

2 व्यावसायिक गुण

3 व्यक्तित्व सम्बन्धी गुण और

4 सम्बन्ध स्थापित करने का गुण

बी.एड. का प्रक्षिशण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षार्थी-शिक्षक कहा जाता है। यह कोर्स बैचलर ऑफ आर्ट्स और बैचलर ऑफ एजुकेशन दोहरी डिग्री का एक संयोजन है। शिक्षा के क्षेत्र में जाने के लिए यह कोर्स बहु त लोकप्रिय है।

समस्या कथन : बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर प्रभाव का अध्ययन

पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या

साइबर संसाधन : किसी एक या अधिक विशिष्ट विषय क्षेत्रों पर केंद्रित ऑनलाइन पूर्ण पाठ (फुल टेक्स्ट) डिजिटल जानकारी का एक सुव्यवस्थित संग्रह डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी कहलाता है।

शिक्षण अभियोग्यता : शिक्षण अभियोग्यता को अंगरेजी भाषा में टीचिंग एप्टीट्यूट कहते हैं, जो शिक्षण के पेशे के प्रति किसी व्यक्ति के स्वाभाविक रूझान या रूचि के बारे में बात करता है।

अध्ययन क्षेत्र का परिसीमन एवं न्यादर्श : शिक्षक-शिक्षा के भरतपुर संभाग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत है। यादृच्छिक विधि द्वारा भरतपुर संभाग में संचालित ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में संचालित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों से कुल 800 प्रशिक्षणार्थियों को चुना गया।

शोध के उद्देश्य

1 पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सार्थक प्रभाव ज्ञात करना।

2 महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सार्थक प्रभाव ज्ञात करना।

3 ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सार्थक प्रभाव ज्ञात करना।

4 शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सार्थक प्रभाव ज्ञात करना।

परिकल्पनाएं

1 पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

2 महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

3 ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

4 शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

शोध विधि : सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

शोध उपकरण : शोध में मापनीकृत उपकरणों का उपयोग किया गया है।

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 सितम्बर 2024
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

1 शिक्षण अभियोग्यता मापनी : एस.सी. राजशेखर एवं रजनीश

2 साइबर संसाधनों की उपयोगिता मापनी : एस. राजशेखर

प्रदत्तों का विश्लेषण : संकलित प्रदत्तों का परिकल्पना के अनुसार विश्लेषण निम्न प्रकार किया गया है:

तालिका संख्या 1

चर	संख्या	प्रमाप विचलन	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता स्तर S/NS
साइबर संसाधनों की उपयोगिता	400	398	98.66	0.13	S
शिक्षण अभियोग्यता			27.54		

पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव - पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सहसंबंध गुणांक 0.13 है, जिससे ज्ञात होता है कि पुरूष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता एवं शिक्षण अभियोग्यता के मध्य धनात्मक संबंध है। पियर्सन सहसंबंध सार्थकता तालिका के अनुसार प्राप्त सहसंबंध गुणांक 0.05 एवं 0.01 सार्थकतर स्तर पर दिए गए तालिका मान से अधिक है।

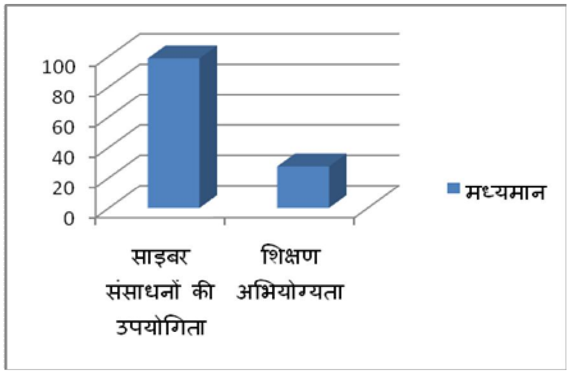

पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता और उनकी शिक्षण अभियोग्यता के मध्यमानों का अंतर

तालिका संख्या 2

चर	संख्या	प्रमाप विचलन	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता स्तर S/NS
साइबर संसाधनों की उपयोगिता	400	398	85.46	0.38	S
शिक्षण अभियोग्यता			25.04		

E ISSN 2320 – 0871
17 सितम्बर 2024

महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव - महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सहसंबंध गुणांक 0.38 है, जिससे ज्ञात होता है कि महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता एवं शिक्षण अभियोग्यता के मध्य धनात्मक संबंध है। पियर्सन सहसंबंध सार्थकता तालिका के अनुसार प्राप्त सहसंबंध गुणांक 0.05 एवं 0.01 सार्थकतर स्तर पर दिए गए तालिका मान से अधिक है।

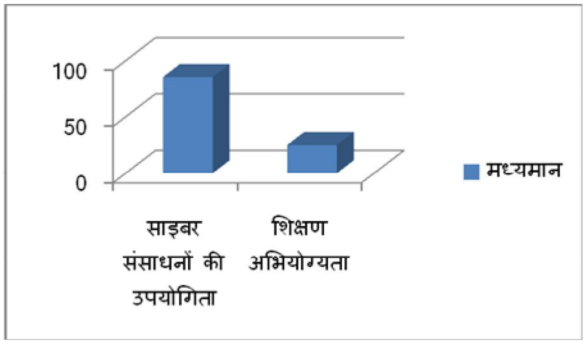

महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता और उनकी शिक्षण अभियोग्यता के मध्यमानों का अंतर :

तालिका संख्या 3

चर	संख्या	प्रमाप विचलन	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता स्तर S/NS
साइबर संसाधनों की उपयोगिता	400	398	82.26	0.29	S
शिक्षण अभियोग्यता			23.30		

ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव - ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सहसंबंध गुणांक 0.29 है, जिससे ज्ञात होता है कि ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता एवं शिक्षण अभियोग्यता के मध्य धनात्मक संबंध है। पियर्सन सहसंबंध सार्थकता तालिका के अनुसार प्राप्त सहसंबंध गुणांक 0.05 एवं 0.01 सार्थकतर स्तर पर दिए गए तालिका मान से अधिक है।

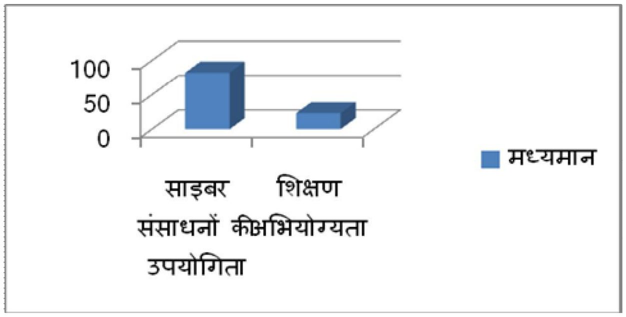

E ISSN 2320 – 0871
17 सितम्बर 2024

ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता और उनकी शिक्षण अभियोग्यता के मध्यमानों का अंतर

तालिका संख्या . 4

चर	संख्या	प्रमाप विचलन	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता स्तर S/NS
साइबर संसाधनों की उपयोगिता	400	398	101.87	-0.013	NS
शिक्षण अभियोग्यता			28.28		

शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव - शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर सहसंबंध गुणांक 0.013 है, जिससे ज्ञात होता है कि शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता एवं शिक्षण अभियोग्यता के मध्य ऋणात्मक संबंध है। पियर्सन सहसंबंध सार्थकता तालिका के अनुसार प्राप्त सहसंबंध गुणांक 0.05 एवं 0.01 सार्थकतर स्तर पर दिए गए तालिका मान से कम है।

शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता और उनकी शिक्षण अभियोग्यता के मध्यमानों का अंतर

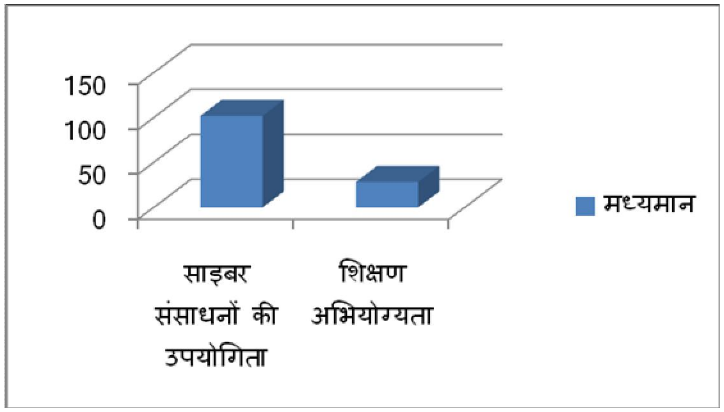

निष्कर्ष

परिकल्पना कि पुरुष बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है, असत्य सिद्ध होती है।

परिकल्पना कि महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है, असत्य सिद्ध होती है।

परिकल्पना कि ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है, असत्य सिद्ध होती है।

परिकल्पना कि शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की साइबर संसाधनों की उपयोगिता का उनकी शिक्षण अभियोग्यता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है, सत्य सिद्ध होती है।

सुझाव

साइबर संसाधनों के प्रति बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अभियोग्यता में वृद्धि करने के उपाय किए जाने चाहिए। साइबर संसाधनों के प्रति बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की उपयोगिता में वृद्धि करने के उपाय किए जाने चाहिए।

सदंर्भ ग्रंथ

- शेपर्ड, एल.ए. 1978, सेल्फ एक्सेप्टेंस : द दवेलुएटिव काम्पोनेन्ट आफ द सेल्फ कान्सेप्ट कंस्ट्रक्ट, अमेरिकन एजुकेशनल रिसर्च जर्नलए 16 (2) पृष्ठ 139
- शुलमैन, एल.ए (1987), नालेज एण्ड टीचिंग फाउंडेशन्स आफ द न्यू रिफार्म, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, आक्सफोर्ड
- डीवीए जे.ए (2013), डेमोक्रेसी एण्ड एज्यूकेशन, मैकमिलन, न्यूयार्क
- पिंट्रिच एवं स्कंक (1996) इंट्रोडक्शन एण्ड रिव्यू आफ द लिटरेचर द रिलेशनशिप बिटवीन साइकोलाजिकल वेल बीइंग, सेल्फ एक्सेप्टेंस, क्लाइंट स्टेटस एण्ड काउंसलर
- स्पेन्स एवं हेल्मरिच (1983), फोकस्ड बिहेवियर, न्यू सर्कल पब्लिकेशनए लंदन
- एर्कमैन, कनेर, सार्ट, बोरकान और सहान, (2010), ए स्टडी आन रिलेशनशिप बिटविन सेल्फ एक्सेप्टेंस, एटीट्यूड विथ स्कूल एण्ड एज्यूकेशनल एचीवमेंट्स इन स्टूडेन्ट्सए सन्टेफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन
- ब्रेनमैन, विलोवर, और लिंच, (2015), ए स्टडी आन रिलेशनशिप बिटविन सेल्फ एक्सप्टेंस आफ अदर पर्सनस् एण्ड आइडियोलाजी आफ कंट्रोल टू स्टूडेन्ट्स आफ टीचर्सए राउटलेज प्रकाशन, लंदन